दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन | मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 181
मुरादाबाद
(Wednesday)
21 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने संघ प्रमुख के संबोधन को सराहा, कहा- आपका बयान प्रेरणादायी;पंच परिवर्तन पर कही बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर संघ प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन की सराहना की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भागवत ने राष्ट्रीय प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के चरित्र को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने विशेष रूप से 'सेवा' और 'राष्ट्र निर्माण' के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देने का उल्लेख किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- नागपुर में शताब्दी वर्ष श्री विजयादशमी उत्सव के दौरान परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का अत्यंत प्रेरणादायी संबोधन हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता की आवश्यकता और समाज के चरित्र को सुदृढ़ करने जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से उल्लेखनीय था उनका वह जोर, जो उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति उस प्रतिबद्धता पर दिया, जो हर आरएसएस स्वयंसेवक के जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने पंच परिवर्तन के बारे में भी बात की और बताया कि किस प्रकार ये सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने में सार्थक योगदान दे सकते हैं।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शताब्दी वर्ष श्री विजयादशमी उत्सव के लिए नागपुर पहुंचे। नागपुर में श्री विजयादशमी उत्सव की शुरुआत स्वयंसेवकों के पथ संचलन के साथ हुई।इस उत्सव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे और उन्होंने उत्सव में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में डॉ. मोहन भागवत ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी विस्मृति को दूर कर उस तत्व को भी स्पष्ट रूप से समझना पड़ेगा, स्वीकार करना पड़ेगा और उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण जीवन का सभी आयामों में निर्माण करना पड़ेगा। देश की स्वाधीनता के लिए जितनी तपस्या और समर्पण हुआ, उससे कहीं अधिक की आवश्यकता अब पड़ेगी, परिस्थिति को देखते हुए यह ध्यान में आता है।उन्होंने पंच परिवर्तन की बात करते हुए कहा कि पंच परिवर्तन की पांचों पहलों का प्रबोधन, पर्यावरण, स्व बोध व स्वदेशी और नागरिक अनुशासन) समाज के सभी वर्गों और स्तरों में स्वागत हुआ है। विश्व के अन्य देशों में भी इसकी आवश्यकता अनुभव की गई है। यह केवल एक वर्ष भर का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन में आचरण का परिवर्तन लाने वाली व्यवहार की शैली है। डॉ. भागवत ने नई पीढ़ी को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जानकारी बिना उचित-अनुचित का विवेक किए नई पीढ़ी ग्रहण करती है। उसके दुष्परिणामों का अनुभव होने के बाद विभिन्न देशों ने कुछ अनुशासन और प्रतिबंध लागू किए हैं। हमारे अपने देश में भी इस प्रकार की आवश्यकता, विशेष तौर पर ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर, समाज में अनुभव की जा रही है। शासन-प्रशासन को इसका विचार करना चाहिए।आरएसएस की स्थापना 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन की थी। इस वर्ष संगठन अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस अवसर पर नागपुर के रेशिमबाग मैदान में सरसंघचालक मोहन भागवत ने शस्त्र पूजा की और संघ के संस्थापक को पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में भागवत ने हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन के साथ विकास, सामाजिक सद्भाव और सोशल मीडिया पर सूचनाओं के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नशे की समस्या को भी गंभीर राष्ट्रीय चुनौती बताते हुए सरकार और समाज से मिलकर प्रयास करने की अपील की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने संघ की 100 साल की यात्रा को सेवा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव का उल्लेखनीय शतक बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने संघ को वर्षों तक आगे बढ़ाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अनगिनत स्वयंसेवकों ने कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ समाज की सेवा की है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि सेवा की यह भावना भविष्य में भी राष्ट्रीय विकास को मजबूती देती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

विंटर एक्शन प्लान से धुलेगा प्रदूषण!: दिल्ली में एक नवंबर से नो पीयूसी नो फ्यूल

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण घटाने के लिए विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत %नो पीयूसी नो फ्यूल% नीति लागू की जाएगी। प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 50 फीसदी घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) पर भी जोर दिया जाएगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने आगामी सर्दियों के मौसम में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक बड़ा विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है। यह कार्य योजना 1 नवंबर से शुरू होकर अगले वर्ष 28 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस पहल का मुख्य लक्ष्य दिल्ली के नागरिकों के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करना, स्वस्थ परिवारों को बढ़ावा देना और राजधानी को प्रदूषण-मुक्त बनाना है।तीन महीने इन चीजों पर रहेगा प्रतिबंध- विंटर एक्शन प्लान के मुताबिक, इनमें %पीयूसी नहीं तो ईंधन नहीं% (नो पीयूसी, नो फ्यूल) नीति को सख्ती से लागू करना शामिल है। इसके तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के बिना किसी भी वाहन को ईंधन नहीं मिलेगा। वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक माना गया है। निर्माण स्थलों पर धूल से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए भी विशेष सख्ती बरती जाएगी। इन नियमों के उल्लंघन पर नजर रखने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कैमरों का व्यापक उपयोग किया

दशहरा पर बोले अखिलेश- समाजवाद ही असल में राम राज्य है, भाजपा कर रही है एआई का दुरुपयोग

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज सुबह ही बीजेपी ने उन्हें रावण के रूप में दर्शाने वाला एक एआई-जनरेटेड वीडियो जारी किया है। इससे उनकी मानसिकता दिखती है। भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा पर एआई तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें रावण के रूप में दिखाने वाला वीडियो जारी करने का आरोप लगाया है। साथ ही समाजवाद और राम राज्य को एक-दूसरे का पर्याय बताया है। समाजवाद ही राम राज्य है- दशहरे के मौके पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि देश का यह पर्व हमें हमेशा बुराई के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने अपने राजनीतिक दर्शन को परिभाषित करते हुए कहा, समाजवाद ही असल में राम राज्य है और राम राज्य ही समाजवाद है। जो लोग दोनों में विश्वास रखते हैं, वे ही सच्चे सनातनी हैं।उन्होंने आगे कहा कि एक सच्चा सनातनी दुनिया में भलाई लाता है, जबकि बुराई करने वाले लोग केवल नकली सनातनी हैं।एआई वीडियो के इस्तेमाल पर तीखी नाराजगी- अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज सुबह ही बीजेपी ने उन्हें रावण के रूप में दर्शाने वाला एक एआई-जनरेटेड वीडियो जारी किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी सामाजिक प्रगति के बजाय राजनीतिक कलंक और दुष्प्रचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग कर रही है।यूपी में छिड़ी डिजिटल और एआई की जंग-यह पूरा विवाद उत्तर प्रदेश में चल रही एक बड़ी और अत्यधिक डिजिटल राजनीतिक लड़ाई का हिस्सा है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर राजनीतिक दलों द्वारा सिंथेटिक मीडिया और डीपफेक/ एआई टूल्स का इस्तेमाल करके विरोधियों को निशाना बनाने का दौर चल रहा है।

ओपी राजभर का अखिलेश पर हमला, कहा- साइकिल का हैंडल नहीं संभाल पाए; राहुल गांधी पर भी तंज

प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। कन्नौज में सपा की जिला इकाई भंग किए जाने पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव एसी, पीसी और ट्विटर की दुनिया से बाहर नहीं निकलेंगे, तो जिला स्तर के नेता क्या करेंगे। राजभर ने कहा कि सपा कन्नौज को खानदानी विरासत समझती रही है, लेकिन वहां की स्थिति से पार्टी को हैसियत का पता चल गया। अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव ने मेहनत करके कन्नौज को सपा का गढ़ बनाया था, लेकिन अखिलेश उस विरासत को संभाल नहीं पाए।उन्होंने दावा किया कि प्रदेश का गैर-यादव पिछड़ा और बहुजन समाज सपा को खारिज कर चुका है। राजभर ने सलाह दी कि चुनाव से पहले अखिलेश को पूरे प्रदेश की कार्यकारिणी भंग कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने वाले असली नेता अब पार्टी में नहीं हैं और अखिलेश अपने पिता व चाचा की सियासी विरासत संभालने में नाकाम रहे हैं। तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सपा की साइकिल की चेन टूट गई है और टायर फटने वाला है।राहुल गांधी के विदेश दौरे पर भी निशाना- राहुल गांधी के विदेश दौरे को लेकर भी राजनीतिक कटाक्ष किया गया। पोस्ट में सवाल उठाया गया कि क्या राहुल गांधी दशहरे पर अपने सामने रावण का दहन होते नहीं देख पा रहे थे, इसलिए विदेश यात्रा पर निकल गए? इस टिप्पणी के जरिये राहुल गांधी के विदेश दौरे पर निशाना साधा गया है।

फ्रांस की तरह भारत में भी हो रहे प्रयासः विजयादशमी पर भागवत का बड़ा बयान, कहा- राजनीति से प्रेरित आंदोलन गलत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी पर कहा कि आपसी विभाजन ने भारत को कमजोर किया। उन्होंने संत रविदास के सामाजिक समरसता के संदेश को याद किया। उन्होंने कहा कि दुनिया देख रही है कि फ्रांस और अल्बानिया में क्या हो रहा है? लोकतंत्र में आंदोलन स्वाभाविक हैं, लेकिन उनका उद्देश्य समाधान होना चाहिए।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन किया। उन्होंने नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही अपने संबोधन में कहा कि जब हम हम विभाजित हुए तो कमजोर हो गए। आरएसएस प्रमुख ने क्या कहा? - विजयादशमी उत्सव पर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, पिछले एक साल में शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज हम विजयादशमी मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। इस वर्ष संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती है। उस दौर में जब हमारा देश विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों से जूझ रहा था, जब वे यहां स्वधर्म का पालन करने वालों पर अत्याचार कर रहे थे और चारों ओर भय का माहौल था, तब संत रविदास ने स्वधर्म निष्ठा, सामाजिक समरसता और भक्ति का संदेश फैलाया। उन्होंने अपने जीवन के उदाहरण से उस समय के समाज को सांत्वना दी, उनका मनोबल बढ़ाया और उनके गुणों को बनाए रखा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं, यह लचीलापन भी इसी सनातन दृष्टिकोण का परिणाम है। जब हमने इस भावना को समझा और अपनाया। जब यह भावना हमारी भाषा, जाति, संप्रदाय या समुदाय के प्रति हमारी स्वाभाविक भावनाओं से भी ऊपर रही, जब भावनात्मक एकता और भारतीय राष्ट्रीयता की यह भावना सर्वोपरि रही। तब हम दुनिया भर में हर लिहाज से आदर्श थे। जब हम इसे भूल गए, तो हम एक-दूसरे के साथ अपने जुड़ाव और अपनेपन की भावना को भी भूल गए, और हम बंट गए। नतीजतन, हम कमजोर हो गए। जब हम कमजोर हुए, तो मन में डर बैठ गया; हम दुनिया से डरने लगे और चिंता करने लगे कि हम बच पाएंगे या नहीं। एक कमजोर व्यक्ति खुद को दीवारों के भीतर सीमित कर लेता है, और ठीक उसी तरह, हमने भी खुद को सीमित कर लिया।दुनिया का ध्यान भारत की ओर गया है आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, दुनिया का ध्यान भारत की ओर गया है। जैसे-जैसे देश का कद बढ़ रहा है और भारत तरक्की कर रहा है, वैसे-वैसे भारत को लेकर लोगों की जिज्ञासा भी बढ़ रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी जीवनशैली जो भौतिकवाद, व्यक्तिवाद और बेलगाम उपभोग पर आधारित है, और जिसका दृष्टिकोण एकांगी (सीमित) है। यह उनके जीवन में कई समस्याएं पैदा कर दी हैं। भौतिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद, वे इन समस्याओं की चिंता से घिरे हुए हैं। उनके पास इन सवालों के जवाब नहीं हैं कि दुनिया की इतनी विशाल विविधता को एक साथ कैसे संभाला जाए, विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए, अलग-अलग लोगों के साथ अपनापन कैसे रखा जाए,

वीबी-जी राम जीः मनरेगा की नई व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर बरसी कांग्रेस, भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस ने मनरेगा की जगह लाई गई वीबी जी राम जी% योजना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने महाराष्ट्र के बीड समेत कई राज्यों में फर्जी हाजिरी और ग्रामीण मजदूरी चोरी का गंभीर आरोप लगाया है।कांग्रेस ने वीबी-जी राम जी (पूर्व में मनरेगा) को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। मंगलवार को पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा मनरेगा की जगह लाई गई नई व्यवस्था, ग्रामीण भारत को सुरक्षा देने वाले सोशल सेफ्टी नेट (सामाजिक सुरक्षा कवच) पर एक सर्जिकल स्ट्राइक से कम नहीं है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वोट चोरी सरकार ने अब ग्रामीण मजदूरी चोरी में भी महारत हासिल कर ली है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि सूखे की मार झेल रहे महाराष्ट्र में, कागजों पर तो वीबी जी राम जी योजना के तहत हजारों लोग काम कर रहे थे, लेकिन बीड जिले में पांच अलग-अलग जगहों पर मौके पर एक भी मजदूर नहीं मिला। सबसे भीषण सूखा पड़ा है। ऐसे कठिन समय में मनरेगा लोगों के लिए एक सुरक्षा की गारंटी था। लेकिन इसकी जगह वीबी जी राम जी योजना को लाना, ग्रामीण भारत को सुरक्षा देने वाले सोशल सेफ्टी नेट पर एक सर्जिकल स्ट्राइक से कम नहीं है।